asianpaints
सभी रेंज किफायती दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

विश्व में प्रसिद्ध हनुमान चालीसा... पृष्ठ 2 | ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

सोमवार, 02 फरवरी 2026, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 50, अंक 111, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

वित्तमंत्री सीतामरण ने पेश किया बजट 2026-27

रेलवे को बड़ी सौगात, 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने का ऐलान

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में केंद्रीय बजट 2026 पेश किया। मोदी 3.0 के तीसरे और अपने कार्यकाल के नौवें बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई घोषणाएं की। इस बार के बजट में सुधार, नौकरी, कौशल और समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। किसानों और छात्रों से लेकर रूस्रूश्वह्य, हेल्थकेयर वर्कर्स और यात्रियों तक बजट 2026 में रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाना और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के मकसद से कई उपाय किए गए है। आइए जानते हैं बजट 2026 की 10 बड़े बातें और किसानों से लेकर मिडिल क्लास तक को इस बजट से क्या मिला ?केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल का तीसरा और अपना लगातार नौवां केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं। बजट 2026-27 में सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। रेलवे, विमानन और जल परिवहन क्षेत्रों के लिए कई बड़ी और दूरगामी घोषणाएं की गई हैं, जिनका उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और आर्थिक विकास को गति देना है।केंद्रीय बजट 2026 में रेलवे को लेकर एक अहम फैसला लेते हुए सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण की घोषणा की गई है। इन कॉरिडोरों के जरिए देश के प्रमुख औद्योगिक और आर्थिक केंद्रों को तेज और आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर इस प्रकार हैंः मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में 20 नए जलमार्ग चालू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत ओडिशा के नेशनल वॉटरवे-5 से होगी, जो तालचेर और अंगुल जैसे खनिज-समृद्ध क्षेत्रों को कलिंगनगर औद्योगिक केंद्र और पारादीप व धमरा बंदरगाहों से जोड़ेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल और कम लागत वाले कार्गो मूवमेंट को बढ़ावा मिलेगा।अंतर्देशीय जलमार्गों को मजबूत करने के लिए वाराणसी और पटना में शिप रिपेयर और मेंटेनेंस से जुड़ा एक आधुनिक इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही समुद्री विमान के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) योजना शुरू करने की भी घोषणा की गई है। बजट 2026 में छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) के लिए सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपए का ग्रोथ फंड लाने का ऐलान किया है।

क्या सस्ता हुआ

- कैंसर की दवाएं
- 7 दुर्लभ बीमारियों से संबंधित विशेष मेडिकल उद्देश्यों के लिए दवाएं, औषधियां और भोजन
- व्यक्तिगत उपयोग के लिए इंपोर्ट की गई दवाएं और औषधियां
- माइक्रोवेव ओवन के लिए जरूरी कंपोनेंट
- विमानों के इंजन सहित पार्ट या कंपोनेंट
- सोलर ग्लास सामग्री
- न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट के लिए इंपोर्ट किए गए सामान
- क्रिटिकल मिनरल के लिए पूंजीगत सामान

क्या महंगा हुआ

- कम कीमत वाले इंपोर्ट किए गए छाते
- पोटेशियम हाइड्रोक्साइड
- एटीएम या कैश डिस्पेंसर मशीन और उसके पार्ट व कंपोनेंट
- चिड़ियाघर के लिए इंपोर्ट किए गए जानवर और पक्षी
- अमोनियम फॉस्फेट या नाइट्रो-फॉस्फेट उर्वरक और नेफ्था उर्वरक
- कॉफी रोस्टिंग, ब्रूइंग या वेंडिंग मशीनें
- अरंडी का ऑयल केक

केंद्रीय बजट 2026-27: सीएम साय बोले- किसानों की आय में होगी बढ़ोत्तरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सशक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। कर्तव्य भवन में बना हुआ यह पहला बजट है, जिसमें देश के समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख कर्तव्यों- आर्थिक विकास एवं रोजगार वृद्धि, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति तथा च्सबका साथ, सबका विकासज् को केंद्र में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को इस बजट का सीधा लाभ मिलेगा। बजट में किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। एआई और आधुनिक तकनीक के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, पशुपालन एवं डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन देने की योजना बनाई गई है। साथ ही महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत स्थानीय उद्योग और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई भी पहले की तुलना में सस्ती होगी।

महंगाई पर कोई राहत नहीं - रसोई बजट से बाहर- हेमा देशमुख

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। आज गैस सिलेंडर,दाल, तेल, दूध,दवाइयाँ और स्कूल फीस सब आम आदमी की पहुँच से बाहर हैं। बजट में मध्यम वर्ग और गरीब के लिए कोई टैक्स राहत नहीं।यह बजट थाली हल्की करता है, कॉरपोरेट की तिजोरी भारी, यह बजट अमीर-पक्षीय, जन-विरोधी और भविष्य-विरोधी है।इसमें युवा के लिए नौकरी नहीं,किसान के लिए सुरक्षा नहीं,महिला के लिए सम्मान नहीं,गरीब के लिए राहत नहीं कांग्रेस इस बजट को पूरी ताक़त से ख़ारिज करती है..देश की अर्थव्यवस्था सुधारने की कोई व्यवस्था नही की गई।

आम बजट मोदी सरकार का निराशावादी - कुलबीर

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। केन्द्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में प्रस्तुत किए गए बजट पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्रीय बजट वास्तविक समस्याओं से मुंह फेरन वाली बजट है। राष्ट्रीय व्यापार आयोग गठन न कर व्यापारियों की समस्याओं को बरकरार रखा है। गरीब, किसानों और युवाओं के लिए कुछ नहीं, पेट्रोलियम पदार्थ महंगा, खनिज महंगा, एक्साईज ड्यूटी बढ़ा रही है। मोदी सरकार देश की आम जनता को राहत देने के लिए कोई प्रावधान नहीं है, आवश्यक वस्तुओं पर कोई राहत नहीं, कोई बड़ी घोषणा नहीं, बीजेपी मात्र प्रचार करने वाली बजट लायी है, धरातल पर कुछ नहीं। छोटे व्यापारी इंन्कम टैक्स नहीं पटाने पर जुर्माना, युवाओं को नौकरी व रोजगार पर कोई बात ही नही, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता पर बजट पूरी तरह मौन है। युवाओं के लिए रोजगार के नाम पर सिर्फ आंकडों पर घोषणाओं की पुनरावृत्ति की गई है। यह बजट आम आदमी का नहीं बल्कि कारपोरेटर का बजट है। इससे साफ हो गया कि केन्द्र सरकार गरीब, किसान, युवा और मजदूर को छल है।

मोदी सरकार का केंद्रीय बजट भारत को लोकल से ग्लोबल बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : कोमल सिंह राजपूत

आत्मनिर्भर भारत को नई मजबूती, उद्योग-स्टार्टअप, किसान और युवा होंगे वैश्विक स्तर पर सक्षम

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट भारत को लोकल से ग्लोबल बनाने की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को और सशक्त करता है तथा देश के उद्योग, स्टार्टअप, किसान और युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

श्री राजपूत ने आगे कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट विकास, नवाचार और आत्मनिर्भरता का संतुलित दस्तावेज है। इसमें देश की आर्थिक मजबूती के साथ-साथ रोजगार सृजन और तकनीकी उन्नति पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि बजट 2026 में नागरिक विमानन प्रशिक्षण और विमान निर्माण में उपयोग होने वाले घटक व पार्ट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट देने का प्रस्ताव अत्यंत

स्वागतयोग्य है। इससे देश में विमानन क्षेत्र को नई गति मिलेगी, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और भारत वैश्विक एयरोस्पेस हब के रूप में उभर सकेगा। यह बजट न केवल बड़े उद्योगों को बल्कि एमएसएमई, स्टार्टअप्स और स्थानीय उद्यमियों को भी नई संभावनाएं प्रदान करेगा। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए किए गए प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, वहीं युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भारत आने वाले वर्षों में एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो। केंद्रीय बजट 2026 इसी लक्ष्य की ओर बढ़ाया गया एक सशक्त कदम है। अंत में उन्होंने कहा कि यह बजट विकास, विश्वास और भविष्य का बजट है जो हर वर्ग को साथ लेकर देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम टेड़ेसरा के प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम टेड़ेसरा स्थित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट (पीडब्ल्यूएम) यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यूनिट के संचालन व्यवस्था, उपलब्ध संसाधनों तथा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति का गहन अवलोकन किया तथा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के प्रभावी एवं सतत संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट (पीडब्ल्यूएम) के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों के एसएलआरएम शेड से प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण तत्काल प्रारंभ करने कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्लास्टिक कचरे का समयबद्ध संग्रहण, पृथक्करण एवं वैज्ञानिक निस्तारण अनिवार्य है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जनपद पंचायत डोंगरगांव के ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम कुटुलबोड़-भाठागांव का दौरा किया। ग्राम कुटुलबोड़-भाठागांव में शत-प्रतिशत यूजर चार्ज संग्रहण के लिए पंचायत के सरपंच, सचिव, स्वच्छग्राहियों एवं ग्रामवासियों की सराहना की और सभी को बधाई दी। सीईओ जिला पंचायत ने पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी कार्य करने, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट को पूर्ण क्षमता से संचालित करने कहा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण, सीईओ जनपद पंचायत राजनांदगांव एवं सीईओ जनपद पंचायत डोंगरगांव, ब्लॉक समन्वयक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्राम कोटरा भांठा में पांच दिवसीय योग शिविर का सफल समापन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम कोटरा भांठा में पांच दिवसीय योग शिविर का सफ्लतापूर्वक समापन किया गया। यह शिविर संचालक

आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशन में तथा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं के अंतर्गत आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन जिला आयुष अधिकारी राजनांदगांव डॉ. शिल्पा मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय सुरगी द्वारा किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. मधु बंछोर की उपस्थिति में कार्यक्रम को विधिवत संपन्न कराया गया। योग शिविर के दौरान योग प्रशिक्षक भोजराज नेताम द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न रोगों के अनुसार योगाभ्यास कराया गया। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक लाभों की जानकारी देते हुए योग को नित्य दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। प्रशिक्षक द्वारा बताया गया कि नियमित योग अभ्यास से तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, जोड़ों के दर्द सहित अनेक रोगों से बचाव संभव है।

प्रिसिशन इंजी वर्क्स
स्टील अलमारी, स्ट्रोंग रूम गेट
सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।
पता- इण्डस्ट्रियल एरिया, जीई रोड, राजनांदगांव
मो. 94060-11669

अन्नपूर्णा ट्रेडर्स
• हार्डवेयर • सेनेटरी • टाईल्स • पेन्टस
MEENA / OMPRAKASH SAHU

शुक्ला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ओ.पी.डी. सेवाएं
अग्रीम पंजीयन नंबर - 7772032888

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दर्शाता है बजट : कैट

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राजनांदगांव इकाई के जिला अध्यक्ष राजू डागा ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को मजबूत करता है और समाज के हर वर्ग के लिए नए अवसर खोलता है। प्रदेश संरक्षक अनिल बरडिया ने कहा, च्यह बजट आम आदमी, किसान, युवा, महिला उद्यमियों और कारोबारियों के लिए नए अवसर प्रदान करने वाला है। विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर, उत्पादन, तकनीक और छोटे कारोबारियों को बढ़ावा देने के प्रावधान

स्वागतयोग्य हैं, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती मिलेगी। संजय तेजवानी ने कहा कि मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स में सुधार से राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ बाजार और व्यापार को मिलेगा। साथ ही निर्यात को बढ़ावा देने की योजनाएं देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर सशक्त करेंगी। संजय लड्ढा ने बजट में खाद्य पदार्थों और पशु आहार से जुड़ी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे पशुधन पालन को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। भावेश अग्रवाल ने कहा कि इससे गौ-पालन और गौ-माता की सेवा के अवसर भी बढ़ेंगे, जो सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। व्यापारी संगठन कैट ने कहा कि केंद्र सरकार को संतुलित और दूरदर्शी बजट के लिए धन्यवाद देते हुए विश्वास जताया कि इसके सकारात्मक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

nandgaon times feb-02-3.qxd 2/1/2026 10:25 PM Page 2

युवा और मध्यम वर्ग की उम्मीदों पर ठेस, जनता की भरोसे पर फिर फेरा पानी – ऋषि शास्त्री

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कांग्रेस के युवा नेता और पूर्व पार्षद दल प्रवक्ता ऋषि शास्त्री ने केंद्रीय बजट 2026-27 को आंकड़ों की चमक में लिपटा हुआ जनविरोधी बजट करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास के बड़े-बड़े दावे किए हैं, लेकिन महंगाई, बेरोजगारी और मध्यम वर्ग की बढ़ती तकलीफों पर पूरी तरह चुप्पी साध ली। यह बजट जनता को राहत देने के बजाय निराशा और भ्रम फैलाने वाला है। पूर्व पार्षद दल प्रवक्ता ऋषि शास्त्री ने कहा कि देश का युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहा है, लेकिन बजट में स्थायी और सम्मानजनक नौकरियों के लिए कोई ठोस योजना या स्पष्ट दिशा नहीं दी गई। केवल योजनाओं के नाम बदलकर पुरानी घोषणाएं दोहराई गई हैं, जो सरकार की नाकामी छिपाने का प्रयास हैं, समाधान नहीं। उन्होंने कहा कि टैक्स भरने वाला मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा ठगा गया है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य के खर्च से जूझ रहे परिवारों को बजट में कोई सीधी राहत नहीं दी गई, जिससे साफहै कि सरकार की प्राथमिकता आम नागरिक नहीं है। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कर्ज राहत, लागत का सही मूल्य और आय सुरक्षा जैसे बुनियादी सवालों पर बजट पूरी तरह खोखला और दिशाहीन है। किसानों की आय बढ़ाने के दावे हर साल दोहराए जाते हैं, लेकिन जमीन पर हालात जस के तस बने हुए हैं। ऋषि शास्त्री ने दो टूक कहा कि यह बजट आम आदमी के लिए नहीं, बल्कि चंद कॉरपोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी कि छत्तीसगढ़ की जागरूक जनता केंद्र की उपेक्षा का करारा जवाब देगी। कांग्रेस पार्टी इस बजट को स्वीकार नहीं करेगी और जनता के हक के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम : जागृति चुन्नी यदु

डोगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजनांदगांव जिला पंचायत की सभापति जागृति चुन्नी यदु ने इसे विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला, संतुलित और जनकल्याणकारी बजट बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में तैयार इस बजट में समाज के सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। किसान, मजदूर, महिला, युवा, मध्यम वर्ग, वरिष्ठ नागरिक एवं वंचित तबकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए समावेशी विकास की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि बजट में कृषि, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, स्वरोजगार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रावधान देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

बजट में युवाओं की बेहतर शिक्षा व रोजगार के लिए कोई प्रावधान नहीं , विभा साहू

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला पंचायत सदस्य विभा साहू ने कहा बजट में युवाओं की बेहतर शिक्षा व रोजगार के लिए कोई प्रावधान नहीं है। विदेश में पढ़ाई की बात कर हवाई यात्रा में रियायत पूँजीपतियों के लिए किया गया है। बजट में विदयार्थीओ के लिए ट्रेन व बस के किराए में छूट शामिल करना था। किसान , व्यापारी और देश की बेटियो के लिए कोई नई योजना बनाकार बजट में शामिल करने में नाकाम साबित होता बजट है।

केंद्रीय बजट से जनता निराश – महंगाई-बेरोज़गारी पर सरकार मौन : विशु अजमानी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के सचिव विशु अजमानी ने केंद्रीय बजट को किसान, मजदूर और युवाओं के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता की वास्तविक समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर केवल बड़े उद्योगपतियों और कॉरपोरेट सेक्टर को लाभ पहुँचाने वाला है। महंगाई, बेरोज़गारी और रोज़मर्रा की ज़रूरतों के बढ़ते खर्चों पर बजट में कोई ठोस राहत नहीं दी गई है, जो सरकार की जनविरोधी मानसिकता को साफतौर पर उजागर करता है। युवाओं को लेकर विशु अजमानी ने कहा कि इस बजट में सरकार ने भ्रम फैलाने के अलावा कुछ नहीं किया है।

सप्ताह के सितारे (02 फरवरी 2026)

दैनिक शुभ राशि

सोम	2- 4- 8 - 9	24-42-28-82-48-84
मंगल	1- 3 - 7 - 9	37-73-39-93-79-97
बुध	2 - 4 - 5 - 7	24-42-27-72-47-74
गुरू	3- 4 - 9 - 0	34-43-30-03-90-09
शुक्र	2 - 3 - 4 - 8	29-92-34-43-78-87
शनि	3 - 5 - 6- 0	67-76-12-21-09-09

अंकों का बादशाह -5 सप्ताह में अचूक 1 - 4 - 6 - 0

सप्ताह का वरदान -9 स्पेशल - 68- 57 -24 -78

सप्ताह में देखे

(1) 11 - 14 - 16 - 10	(6) 61 - 64 - 66- 60
(2) 21 - 24 - 26 - 20	(7) 71 - 74 - 76 - 70
(3) 31 - 34 - 36 - 30	(8) 81 - 84 - 86 - 80
(4) 41 - 44 - 46 - 40	(9) 91 - 94 - 96 - 90
(5) 51 - 54 - 56 - 50	(10) 01 - 04 - 06 - 00

बीते पांच सप्ताह के रिकार्ड

(कल्याण)	(नाइट बाजार)
60-57-36-94-52-68	63-75-71-05-64
04-46-65-04-04-74	86-73-34-46-67
77-51-04-34-55-42	33-09-08-84-62
02-39-06-67-69-54	35-86-20-96-59
**-76-59-35-12-70	**-30-23-83-52

चेतावनी- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक का कोई जवाबदारी नहीं होगी।

संपादक

बजट 2026: विकास, सुरक्षा और सामाजिक संवेदना का संतुलित खाका - लक्ष्मीनारायण गुप्ता

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। इस वर्ष का केंद्रीय बजट एक संतुलित, दूरदर्शी और समावेशी दृष्टिकोण का परिचायक है। इसमें जहां आम करदाताओं को राहत की निरंतरता दी गई है, वहीं स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा और आधारभूत संरचना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस और प्रभावी घोषणाएं की गई हैं। यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले भारत की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

करदाताओं के लिए स्थिरता और सहूलियत

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव न करना सरकार की स्थिर कर नीति का संकेत है। साथ ही, रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने की समय-सीमा 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च करना करदाताओं को अतिरिक्त राहत और पारदर्शिता का अवसर देता है। यह कदम ईमानदार करदाताओं के हित में एक व्यावहारिक निर्णय माना जा सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में मानवीय दृष्टिकोण

कैंसर की 17 दवाओं तथा हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर आयात शुल्क हटाना अत्यंत संवेदनशील और मानवीय निर्णय है। इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लाखों मरीजों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी। साथ ही 3 आयुर्वेदिक और 5 मेडिकल हब की घोषणा भारत को मेडिकल टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में मजबूत कदम है।

रक्षा में मजबूती, आत्मनिर्भरता की ओर कदम

डिफेंस बजट में 15.2त्न की वृद्धि

और आधुनिकीकरण पर 22त्न अधिक खर्च राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल सीमाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा बल्कि च्मेक इन इंडियाज् के तहत रक्षा उत्पादन को भी प्रोत्साहन देगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर से आर्थिक रफ्तार

7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा देश के औद्योगिक और शहरी नेटवर्क को नई गति देगी। मुंबई-पुणे से लेकर दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी तक के कॉरिडोर व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। यह कदम क्षेत्रीय संतुलन और तेज आर्थिक विकास का आधार बनेगा।

शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण

15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स की स्थापना नई पीढ़ी को डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुरूप कौशल प्रदान करेगी। यह पहल छात्रों को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनने की दिशा में प्रेरित करेगी।

नारी सशक्तिकरण की ठोस पहल

करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल निर्माण की घोषणा शिक्षा में लैंगिक समानता को मजबूत करेगी। दूरदराज़ क्षेत्रों की बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे, जिससे उनका सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा।

टियर-2 शहरों पर फोकस

5 लाख से अधिक आबादी वाले टियर-2 शहरों के विकास पर जोर यह दर्शाता है कि सरकार अब महानगरों से आगे बढ़कर उभरते शहरों को भी विकास की मुख्यधारा में लाना चाहती है। समग्र रूप से यह बजट सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के माध्यम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव को और मजबूत करता है। यह बजट केवल आज की जरूरतों का समाधान नहीं, बल्कि आने वाले दशकों के भारत को आकार देने की एक ठोस और सकारात्मक पहल है।

मोदी सरकार का केंद्रीय बजट सभी वर्गों के हित में : हैरी जोसेफ

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैरी जोसेफने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए इसे सभी वर्गों को संतुलित रूप से लाभ पहुंचाने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के आर्थिक विकास को नई गति देने के साथ-साथ सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना को भी मजबूती प्रदान करता है। हैरी जोसेफ ने आगे कहा कि केंद्रीय बजट आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की आय-व्यय की वार्षिक रूपरेखा होता है जो देश की आर्थिक दिशा तय करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट न केवल विकासोन्मुखी है, बल्कि आम जनता, मध्यम वर्ग, गरीब, किसान, युवा और व्यापारियों सभी के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में आर्थिक विकास को गति देने कर ढांचे को सरल और संतुलित बनाने तथा बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संसाधनों का समुचित आवंटन किया गया है। इससे देश की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और भविष्य की पीढ़ियों के लिए बेहतर अवसर सृजित होंगे। यह बजट सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने, समावेशी विकास सुनिश्चित करने और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में सामने आया है। सरकार की नीतियां यह स्पष्ट करती हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार का यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को साकार करता है और आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। अंत में हैरी जोसेफने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस जन-हितैषी और विकासोन्मुखी बजट के लिए बधाई दी।

बजट 2026: छत्तीसगढ़ के हिस्से क्या? दीपक अवस्थी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। केंद्र सरकार ने बजट 2026 को विकास और संवेदनशीलता का संतुलित दस्तावेज बताया है, लेकिन छत्तीसगढ़ के नजरिए से तस्वीर उतनी स्पष्ट नहीं दिखती। सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा हुई, पर इनमें राज्य की भागीदारी नजर नहीं आती। खनिज संपदा से देश को मजबूत करने वाले छत्तीसगढ़ को बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में स्थान न मिलना सवाल खड़े करता है। रक्षा बजट में वृद्धि और स्वास्थ्य क्षेत्र में नई संस्थाओं की घोषणा राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक है, पर राज्य को क्या मिलेगा, इस पर स्पष्टता नहीं है। युवाओं के रोजगार को लेकर भी बजट में कोई ठोस नई भर्ती या विशेष पैकेज दिखाई नहीं देता।

महंगाई, बेरोज़गारी और किसान संकट पर पर्दा डालने वाला च्जुमला बजट- अभिमन्यु उदय मिश्रा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। केंद्र सरकार द्वारा आज पेश किया गया केंद्रीय बजट देश की जनता की उम्मीदों के साथ खुला धोखा है। यह बजट न महंगाई से राहत देता है, न बेरोज़गारी पर वार करता है और न ही किसानों की बदहाली का कोई समाधान पेश करता है। पूरे बजट में सिर्फ आंकड़ों का खेल और झूठी उपलब्धियों का बखान है।

आज देश का आम नागरिक महंगाई से कराह रहा है रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हैं, लेकिन बजट में इन पर एक शब्द की भी ठोस राहत नहीं दी गई। यह सरकार की जनविरोधी मानसिकता को उजागर करता है। इसके अलावा किसानों को फिर धोखा मिला है, किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने से सरकार एक बार फिर पीछे हट गई। खाद, बीज, बिजली और सिंचाई की लागत बढ़ती जा रही है, लेकिन बजट में किसानों के लिए सिर्फ खोखले आश्वासन हैं। युवाओं के लिए भी इस सरकार ने उन्हें भ्रम में रखने के अलावा कुछ नहीं किया देश में बेरोज़गारी ऐतिहासिक स्तर पर है, लेकिन बजट में स्थायी रोजगार सृजन की कोई ठोस नीति नहीं है। युवाओं को सिर्फ स्किल, स्टार्टअप और आत्मनिर्भरता के नाम पर भ्रमित किया जा रहा है। मध्यम वर्ग और गरीब पूरी तरह उपेक्षित हैं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बजट की प्राथमिकताएं पूरी तरह नाकाम हैं।कांग्रेस पार्टी स्पष्ट रूप से कहती है कि यह बजट च्आम जनता के खिलाफ और चुनिंदा पूंजीपतियों के पक्ष में बनाया गया बजटज्ज् है इसलिए बजट आते ही शेयर मार्केट धड़ाम से गिरा है सेंसेक्स नीचे गिर गया है।

जनता को ठगने वाला बजट, उम्मीद नहीं बल्कि निराशा लेकर आया – खुज्जी विधायक भोला राम साहू

खुज्जी (नांदगांव टाइम्स)। विधायक भोला राम साहू ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को जनविरोधी करार देते हुए कहा कि इस बजट से आम जनता, किसान, मजदूर, युवा और व्यापारी— किसी को भी राहत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार ने रोजगार छीना, महंगाई को बेलगाम किया और किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं दिला पाई, उससे अब किसी सकारात्मक उम्मीद की गुंजाइश ही नहीं बची है।श्री साहू ने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई से आम आदमी की रसोई उजड़ चुकी है, किसान अपनी उपज का दाम पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं, वहीं अब मजदूरों से मनरेगा जैसी जीवनरेखा योजना भी छीनी जा रही है। दूसरी ओर, जीएसटी के बोझ ने छोटे और मध्यम व्यापारियों की कमर पूरी तरह तोड़ दी है। ऐसे हालात में यह बजट जनता को राहत देने के बजाय केवल खोखले वादों और झुनझुना पकड़ाने का प्रयास है। छत्तीसगढ़ की स्थिति का उल्लेख करते हुए खुज्जी विधायक ने कहा कि च्मोदी की गारंटीज् के नाम पर लाखों किसान धान बेचने से वंचित रह गए हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि भाजपा के ही पूर्व विधायक अपनी उपज का धान नहीं बेच पाए। जब सत्ता पक्ष के लोग ही इस व्यवस्था से त्रस्त हैं, तो आम किसान और गरीब जनता की पीड़ा का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नजर छत्तीसगढ़ के किसानों, युवाओं और मजदूरों की समस्याओं पर नहीं, बल्कि केवल राज्य की कीमती खदानों और प्राकृतिक संसाधनों पर है।

भारत के भविष्य को उज्जवल करने वाला बजट- मनोज निर्वाणी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज निर्वाणी ने बजट 2026 की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत के भविष्य को उज्जवल करने वाला बजट है।

बजट में एम्स से लेकर कॉरिडोर तक की चिंता की गई है

मनोज निर्वाणी ने कहा कि बजट 2026 में पूंजीगत व्यय (ष्टड्डश्वद्ग3) को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष के 11.11 लाख करोड़ रुपये से लगभग 10त्न अधिक है। यह बढ़ोतरी सरकार की इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास रणनीति को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य देश में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना है।

बजट के तीन प्रमुख बिंदु

मनोज निर्वाणी ने बताया कि बजट में तीन

प्रमुख बिंदुओं पर फोकस किया गया है:

1. आर्थिक विकास की गति क्षमता बढ़ाना: सरकार का उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाना है। 2. लोगों की काबिलियत को निखारना: सरकार लोगों की कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि वे अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। 3. सबका साथ, हर परिवार और क्षेत्र की कमाई के लिए पर्याप्त अवसर: सरकार का उद्देश्य सभी क्षेत्रों और परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करना है।

आने वाले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की विकास दर का लक्ष्य

मनोज निर्वाणी ने आगे कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की विकास दर का लक्ष्य 8.5 से 9त्न होने की उम्मीद है, और कैपेक्स को 12 से 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। इससे पता चलता है कि सरकार आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय पर विशेष ध्यान दे रही है।

केंद्रीय बजट 2026 आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम - गीता घासी साहू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। केंद्रीय वित्त मंत्री माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 पर प्रदेश पंचायत सहसंयोजक एवं राजनांदगांव जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गरीब, किसान, महिला और युवा केंद्रित बजट बताया है। श्रीमती साहू ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। बजट में ग्रामीण विकास, पंचायतों के सशक्तिकरण, कृषि, महिला स्वावलंबन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे देश के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कृषि अवसंरचना, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के प्रावधान सराहनीय हैं। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु स्वयं सहायता समूहों, उद्यमिता और कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

हर वर्ग की उम्मीदों पर खरा उतरा केंद्रीय बजट : अंजू त्रिपाठी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर पंचायत अध्यक्ष डोंगरगांव अंजू त्रिपाठी ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट को देश के हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला और विकास को नई दिशा देने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए विकसित भारत की नींव को और सशक्त करता है। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी, उद्योगपति, कर्मचारी, अधिकारी एवं विद्यार्थियों सहित समाज के सभी वर्गों का संतुलित रूप से ध्यान रखा गया है। बजट में किए गए प्रावधान यह दर्शाते हैं कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण भारत को विशेष प्राथमिकता दी गई है। कृषि, पशुपालन, रोजगार सृजन, आवास, सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं गांवों की तस्वीर बदलने का काम करेंगी, जिससे किसानों और श्रमिक वर्ग की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू ने कहा कि बजट में शहरी विकास को भी समान महत्व दिया गया है। आवास, परिवहन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार से शहरों का समग्र विकास होगा और नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह बजट मोदी सरकार की दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

केंद्रीय बजट 2026-27 मे विकसित भारत की दिशा की ओर कदम-रवि सिन्हा

राजनादगांव (नांदगांव टाइम्स)। रवि सिन्हा पार्षद एवं अध्यक्ष शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, ने आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट देश को च्विकसित भारतज्ज् की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास है, बजट सर्वस्पर्शी है जिसमें मध्यम वर्ग, युवा, किसान और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि आयकर व्यवस्था में प्रस्तावित राहत से मध्यम वर्ग और नौकरी-पेशा लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे उनकी क्रय-शक्ति और बचत क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही, पूंजीगत व्यय (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में बढ़ोतरी से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जो युवाओं के लिए सकारात्मक संकेत है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी सहयोग, बढ़ी हुई क्रेडिट सुविधाएँ तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में च्बायोफार्मा शक्तिज् जैसी पहलों को उन्होंने भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन कदमों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और चिकित्सा अनुसंधान दोनों को मजबूती मिलेगी। केंद्रीय बजट 2026-27: शिक्षा के सर्वांगीण विकास की दिशा में सशक्त पहल शिक्षा के क्षेत्र पर टिप्पणी करते हुए सिन्हा ने कहा कि यदि बजट की घोषणाओं के अनुरूप विज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी शिक्षा को संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं, तो इससे महाविद्यालयों और विद्यार्थियों को नई संभावनाएँ मिलेंगी। उन्होंने विशेष रूप से विज्ञान शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

ज्ञान मंथन

1) रेल यात्रियों की सहायता के लिए गठित महिला सुरक्षा दस्ते का नाम क्या है?

2) पद्म पुरस्कार 2026 से कितने व्यक्तियों को सम्मानित करने की घोषणा की गयी है?

3) 500 एकल मैच जीतने वाली पहली भारतीय शटलर कौन बनी हैं?

4) गणतंत्र दिवस 2026 किस झांकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है?

5) विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर तैनात भारतीय रेलवे के पहले ह्यूमनॉइड रोबोट का नाम क्या है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) ऑपरेशन रक्षिता (2) 131 (3) पी.वी. सिंधु (4) महाराष्ट्र (5) एएससी अर्जुन

बालोंद के भाजपा नेताओं की केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की दिशा में ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम

बालोद। जिले के नेताओं ने जिला मुख्यालय के कलाकेन्द्र में बालोद मंडल और जुंगेरा मंडल के संयुक्त रूप से केंद्रीय बजट का अभिभाषण का प्रस्तुतीकरण का सिधा प्रसारण सुना केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 के भाषण का श्रवण किया पश्चात भाजपा नेताओं ने बजट पर प्रतिक्रिया दि यह ऐतिहासिक बजट च्कर्तव्य भवनज् में तैयार किया गया पहला बजट है, जो विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने बजट को जन-आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला, विकासोन्मुख और जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि यह बजट सार्वजनिक निवेश, सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन, कृषि एवं ग्रामीण सशक्तिकरण, उद्योग विस्तार और रोजगार सृजन को गति देगा मेडिकल कॉरपोरेशन प्रदेश अध्यक्ष दीपक मास्क ने बजट को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए कहा कि इससे आधारभूत संरचना मजबूत होगी और विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक समान रूप से पहुँचेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृढ़ नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 7 प्रतिशत की दर से प्रगति कर रही है और यह बजट छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में सशक्त कदम है। नदियों में जल मार्ग को सुगम यातायात के रूप में उपयोग कर ट्रांसपोर्टिंग में होने वाले व्यय को कम कर महंगाई पर लगाम लगाने की योजना महत्वपूर्ण साबित होगा जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख ने प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बजट को च्अवसरों का राजमार्गज्ज् बताते हुए कहा कि भारत केवल तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं है, बल्कि विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में रिफॉर्म्स को नई गति दी गई है और सनराइज सेक्टर, रेयर अर्थ कॉरिडोर, क्रिटिकल मिनरल्स, हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड रेल और डेटा सेंटर हब जैसे क्षेत्रों पर विशेष बल दिया गया है। प्रदेश कार्य समिति सदस्य कृष्णकांत पवार ने इसे च्युवा शक्ति बजटज्ज् बताते हुए कहा कि ऑरेंज इकोनॉमी, पर्यटन, खेलो इंडिया मिशन और स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी जिला उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी ठाकुर , महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉक्टर मोना टुवानी ने कहा की महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने, हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण तथा डेयरी एवं कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने जैसे प्रावधान समाज के व्यापक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करने के साथ ही फिस्कल डेफिसिट कम करने और हाई कैपेक्स के माध्यम से उच्च विकास दर सुनिश्चित करने वाला संतुलित बजट है। पुर्व जिला अध्यक्ष पवन साहू ने बजट को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग को सशक्त करने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर आयकर नहीं लगने का प्रावधान, वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती की सीमा 75 हजार रुपये करना तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर कटौती सीमा बढ़ाकर 1 लाख रुपये करना स्वागतयोग्य निर्णय है। पूर्व विधायक प्रीतम साहू ने लिथियम आयरन बैटरी सहित 12 महत्वपूर्ण खनिजों पर सीमा शुल्क समाप्त किए जाने से ईवी और इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते होंगे।

बजट 2026-27 ग्रामीण विकास और कृषि उन्नति का रोडमैप: कैलाश शर्मा

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता और किसान नेता कैलाश शर्मा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को नारी शक्ति, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सनराइज सेक्टर आधारित एक दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट न केवल महिलाओं और युवाओं के लिए नए अवसर खोलता है, बल्कि भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा। शर्मा ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए च्उड़ान का खुला आसमानज्ज् और महिलाओं के लिए सशक्तिकरण के ठोस प्रावधान बजट बनाते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करने के लिए इस बजट में जो रोडमैप रखा गया है, वह देश को नई टेक्नोलॉजी और विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ, बायोफ्यूल, हाई-एंड टूल्स जैसे सनराइज सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए घोषित कदम छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में नए उद्योग और रोजगार अवसर तैयार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश से ग्रामीण और औद्योगिक अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा। कृषि क्षेत्र के प्रावधानों को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि यह बजट वास्तव में किसान सशक्तिकरण का बजट है। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसान की आय बढ़ाने के लिए केवल एमएसपी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं, बल्कि स्टोरेज, कोल्ड-चेन, प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन जैसे कदम उठाकर किसान को उसकी उपज का वास्तविक मूल्य दिलाने की रणनीति अपनाई गई है।

रोजगार की गारंटी को समाप्त करने वाला बजट - कुसुम दुबे

राजनादगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की सचिव अधिवक्ता कुसुम दुबे ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कही की पिछली बजट की राशि खर्च कर सकने में असफल भाजपा की केंद्र सरकार जो मनरेगा को समाप्त करने की जो साजिश की है इसका खुलासा इस बजट में हुआ है मांग आधारित रोजगार गारंटी मनरेगा को समाप्त कर बजट आधारित वीबी जी रामजी योजना की डफली भाजपा बजा रही है और इस बजट में 151282 करोड़ का प्रावधान रखा गया है जिसमें देश के मात्र चार करोड लोगों को ही 125 दिन की रोजगार मिल पाएगी इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में जहां 81.1 लाख पंजीकृत रजिस्टर्ड जॉब कार्ड है 61.7 लाख सक्रिय वर्कर है वर्तमान बजट के आधार पर छ ग में मात्र 6 से 8 लाख लोगों को ही 125 दिन का रोजगार मिल पाएगा कुल मिला कर रोजगार पर प्रहार करने वाला बजट है।

कला केंद्र बालोद में भाजपा जनों ने मनाई संत बाबा रविदास जयंती

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद स्थित कला केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महान संत कवि एवं समाज सुधारक संत बाबा रविदास जी की 649वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा रविदास जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित जनों ने उनके जयकारे लगाए और उनके आदर्शों एवं कार्यों को स्मरण किया। जिला महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि 15वीं शताब्दी के महान संत रविदास जी युग प्रवर्तक संत थे। उन्होंने उस दौर में समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने का महत्वपूर्ण कार्य किया और समरस समाज की स्थापना का संदेश दिया। राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक म्हास्के ने कहा कि संत किसी एक समाज के नहीं होते, उनका जन्म समस्त मानवता के कल्याण के लिए होता है। संत रविदास जी ने समाज में व्याप्त बुराइयों के विरुद्ध अलख जगाई। उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए मानव समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा और वे युगों-युगों तक पूजनीय रहेंगे। जनपद पंचायत डौंडी लोहरा के उपाध्यक्ष जय लाल मालेकर ने संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भक्ति काल में उनका जन्म ऐसे समय हुआ जब समाज में जाति-पांति और भेदभाव का बोलबाला था। उन्होंने समानता, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उनका प्रसिद्ध वचन च्मन चंगा तो कठौती में गंगाज्ज् मन की शुद्धता और कर्म की पवित्रता को महत्व देता है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष के.आर. डहरी ने संत रविदास जी के जीवन प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध किया और निराकार ईश्वर की भक्ति का संदेश दिया। उनकी भक्ति रचनाएँ लोकवाणी में प्रचलित हैं तथा गुरु ग्रंथ साहिब एवं पंचवाणी में भी संकलित हैं। नगर पालिका परिषद बालोद की पार्षद सुनीता मनहर ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज में फैली बुराइयों को समाप्त करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

आम बजट 2026 - विकसित व आत्मनिर्भर भारत के संकल्पों का बजट - सुमित सिंह भाटिया

राजनांदगांव। आज केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने आम बजट 2026 पेश किया ! 2026 आम बजट को लेकर भारतीय जनता पार्टी उत्तर मंडल के अध्यक्ष श्री सुमित सिंह भाटिया जी ने प्रेस वार्ता में बजट को लेकर अपनी बात रखा... श्री सुमित सिंह भाटिया जी ने कहा कि यह 2026 का आम बजट युवाओं का बजट है 2026 का यह आम बजट विकसित भारत व आत्मनिर्भर भारत के सपनो के संकल्प को साकार करने वाला बजट बताया ! श्री भाटिया जी ने आगे कहा कि (आम बजट 2026) भारत के सुनहरे भविष्य का नींव है ! जहां सभी वर्गों को ध्यान रखते हुए मोदी सरकार व वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने यह बजट पेश किया... जिसमें युवाओं पर खास ध्यान रखा, यह युवा शक्ति का बजट है जहां ऑरेंज इकॉनोमी, पर्यटन व खेलो इंडिया मिशन के जरिए युवाओं के लिए नए अवसर के द्वार खुलेंगे ! साथ ही देश के सभी जिलों में बेटियों के लिए गर्ल्स हॉस्टल खोलने का भी फैसला किया है ! सनराइज सेक्टर को जिस मजबूती के साथ महत्व दिया है ! वह अहम है , रेयर अर्थ कॉरिडोर, क्रिटिकल मिनरल्स पर बल , टेक्टलाइल, हाईटेक टुल मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजें भविष्य और वर्तमान की जरूरतों को ध्यान रखती है !

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 किलो से अधिक गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) द्वारा जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त और निरंतर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के तहत कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में थाना चिल्फी द्वारा क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग और निगरानी की जा रही थी। इसी क्रम में 31 जनवरी 2026 को की गई कार्रवाई में अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक सुनियोजित नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जप्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 31.01.2026 को थाना चिल्फी द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध टाटा जेस्ट कार सफेद रंग क्रमांक छ्त्र-18-रू-1456 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में रखे तीन पिट्ठू बैगों से कुल 15 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया, जिसका कुल वजन 15.480 किलोग्राम पाया गया। जप्त गांजा की कुल कीमत 7,75,000 रुपये है। मौके पर ही तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें सुनियोजित अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का खुलासा हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि महताब अहमद एवं मो. रासिक बस अथवा ट्रेन के माध्यम से उड़ीसा के सोनपुर जाते थे, जहां से गांजा लेकर रायपुर आते थे। रायपुर में रहने वाला इमाम खान, जो टैक्सी परमिट वाहन चालक है, तय योजना के अनुसार गांजा को अपने वाहन से हमीरपुर उत्तरप्रदेश ले जाता था। वहां गांजा को छोटी-छोटी पुड़ियों में बेचकर अवैध लाभ अर्जित किया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि पूर्व में भी इसी तरीके से गांजा की तस्करी की जा चुकी है।

प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी

01. इमाम खान पिता वाहिद खान उम्र 40 वर्ष, निवासी सिचौली पुरवा (पानी टंकी के पास), वार्ड नंबर 19, मौदहा, थाना मौदहा, जिला हमीरपुर, उत्तरप्रदेश 02. महताब अहमद पिता इकबाल अहमद उम्र 25 वर्ष, निवासी हिमौली, तहसील मौदहा, जिला हमीरपुर, उत्तरप्रदेश 03. मो. रासिक पिता मो. रजा उर्फराजू उम्र 29 वर्ष, निवासी अशोक विहार फेस-3, शीतला कॉलोनी, गुड़गांव, हरियाणा, हाल पता सुभाष नगर, मौदहापारा, ढेबर स्टील के पास, थाना मौदहापारा, जिला रायपुर

जप्त की गई सामग्री

01. टाटा जेस्ट कार सफेद रंग क्रमांक छ्त्र-18-रू-1456, अनुमानित कीमत 5,00,000 रुपये 02. अवैध मादक पदार्थ गांजा 15.480 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 7,75,000 रुपये 03. एक विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5,000 रुपये 04. एक वनप्लस कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5,000 रुपये 05. एक विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 10,000 रुपये।

सभी वर्गों को खुशहाली देने वाला बजट : पूर्णिमा कृष्णा साहू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में देश का आम बजट प्रस्तुत किया गया। बजट को लेकर जनपद पंचायत राजनांदगांव की सभापति पूर्णिमा कृष्णा साहू ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे सभी वर्गों के लिए खुशहाली और विकास का बजट बताया। सभापति पूर्णिमा कृष्णा साहू ने कहा कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाला है। बजट में किसान, महिला, युवा, श्रमिक, गरीब एवं मध्यम वर्ग के हितों का संतुलित रूप से ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों से किसानों की आय में वृद्धि होगी, वहीं शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बढ़ाए गए बजट से आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के प्रावधान भविष्य के भारत की मजबूत नींव रखेंगे। सभापति ने आगे कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष योजनाएं, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक कल्याण से जुड़े प्रावधान सरकार की जनकल्याणकारी सोच को दर्शाते हैं। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किए गए निवेश से देश में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है और आने वाले समय में इसका सकारात्मक प्रभाव देश के हर वर्ग पर दिखाई देगा।

धर्म समाचार....

माघ पूर्णिमा पर बन रहे कई दुर्लभ संयोग, क्या आपकी भी बदलने वाली है किस्मत?

इस वर्ष 1 फरवरी 2026 को आने वाली यह माघ पूर्णिमा कोई साधारण पूर्णिमा नहीं है बल्कि ज्योतिष की दुनिया में इस दिन ग्रहों की चाल कुछ ऐसे दुर्लभ संकेत दे रही है, जो दशकों में कभी-कभी ही देखने को मिलते हैं। यह पावन अवसर सिर्फ पवित्र स्नान या दान-पुण्य तक सीमित नहीं रहने वाला, बल्कि इस बार ग्रह-नक्षत्रों का जो अद्भुत मेल बन रहा है, वह आपकी लाइफमें बड़े और पॉजिटिव बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

अगर आप भी अपनी लाइफ में एक नई शुरुआत या पुरानी मुश्किलों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो यह पूर्णिमा आपके लिए किसी ब्रह्मांडीय वरदान से कम नहीं है। आइए जानते हैं इस माघ पूर्णिमा के वे 5 बड़े संकेत और संयोग, जो आपके जीवन की दिशा बदल सकते हैं।

माघ पूर्णिमा तिथि

वर्ष 2026 में माघ पूर्णिमा का पावन पर्व 1 फरवरी 2026, रविवार के दिन मनाया जाएगा। रविवार का दिन और पूर्णिमा का यह संयोग बहुत ही शुभ फल देने वाला माना जा रहा है। पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ: 1 फरवरी 2026 को सुबह 5:52 बजे से। पूर्णिमा तिथि की समाप्ति: 2 फरवरी 2026 को रात 3:38 बजे तक ।विज्ञापन हटाएं सिर्फ खबर पढ़ें माघ पूर्णिमा के 5 बड़े ज्योतिषीय संकेत 1. चंद्रदेव का अपनी प्रिय राशि में गोचर: इस पूर्णिमा पर चंद्रदेव स्वयं की राशि 'कर्क' में विराजमान रहकर अपनी सकारात्मक ऊर्जा देंगे। चंद्रदेव का अपनी ही राशि में होना मन को शांति और इमोशनल हीलिंग देने वाला संकेत है। 2. मकर राशि में ग्रहों का मजबूत प्रभाव: इस समय मकर राशि में कई ग्रहों की मौजूदगी अनुशासन और कर्तव्य की भावना को बढ़ा रही है। यह संयोग हमें अपने पुराने कर्मों को सुधारने और भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने का अवसर दे रहे हैं।3. शनिदेव की सीख और अनुशासन: शनिदेव इस समय धैर्य और अनुशासन की परीक्षा ले रहे हैं। यह दुर्लभ समय है जब शनिदेव की कृपा से कठिन परिश्रम का फल मिलने की संभावना बन रही है, जो लंबे समय तक टिकने वाली सफलता दिला सकती है। 4. पितृ कृपा और आशीर्वाद: माघ पूर्णिमा का यह पावन दिन पूर्वजों को याद करने के लिए बेहद खास है। इस समय ग्रहों की स्थिति ऐसी है कि आपके द्वारा किया गया तर्पण और प्रार्थना सीधे पितरों तक पहुंचती है। उनका आशीर्वाद आपके जीवन की बड़ी बाधाओं को दूर कर सकता है। 5. दान का अनंत फल: इस दिन किया गया छोटा सा निस्वार्थ दान आपके पुराने कर्मों के बोझ को कम करने की शक्ति रखता है। ग्रहों के शुभ संयोग के कारण, पूर्णिमा पर दिया गया दान पूरे साल के पुण्य के बराबर फल दे सकता है, जो आपके भाग्य को जगाएगा।

बुध कुंभ राशि में करेंगे गोचर, किन राशियों को करियर में मिलेगी नई उड़ान?

बुधदेव 03 फरवरी की रात 09 बजकर 52 मिनट पर कुंभ राशि में परिवर्तन करेंगे। यह गोचर मेष से कर्क राशि के जातकों के लिए खास माना जा रहा। आनंद सागर पाठक, एस्ट्रोपत्री। बुधदेव का कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इस गोचर का प्रभाव मेष से कर्क राशि के जातकों पर पड़ेगा। जातक भविष्य की प्लानिंग करेंगे और नए आइडियाज पर काम करेंगे। बुध गोचर का यह समय बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि बुध गोचर से मेष से कर्क राशि को क्या लाभ मिलेगा।

मेष- बुधदेव आपके ग्यारहवें भाव (इनकम और नेटवर्किंग का क्षेत्र) में आ रहे हैं। इस दौरान आपकी बातचीत करने की कला ही आपकी सबसे बड़ी कमाई बनेगी। ग्रुप्स और दोस्तों के बीच आपके नए आइडियाज आपको करियर में बड़ा जंप दिला सकते हैं। बुधदेव की दृष्टि आपके पांचवें भाव (बुद्धि और क्रिएटिविटी का क्षेत्र) पर होने से आपकी प्लानिंग और सीखने की स्पीड बढ़ जाएगी।

वृषभ- बुधदेव आपके दसवें भाव (करियर और वर्कप्लेस का क्षेत्र) को एक्टिवेट कर रहे हैं। ऑफिस में आपकी प्रेजेंटेशन और मीटिंग्स बहुत ही प्रभावशाली रहेंगी। प्रोफेशनल लाइफमें की गई प्लानिंग अब रंग लाएगी। बुधदेव आपके चौथे भाव (सुख और संपत्ति का क्षेत्र) को देख रहे हैं, जिससे घर के रेनोवेशन या प्रॉपर्टी को लेकर कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मिथुन- मिथुन राशि वालों के लिए बुधदेव का गोचर नौवें भाव (भाग्य और लंबी यात्रा का क्षेत्र) में हो रहा है। यह समय आपकी विजन को बड़ा करेगा और दार्शनिक सोच को बढ़ावा देगा। पढ़ाई या काम के सिलसिले में की गई यात्राएं काफी फायदेमंद रहेंगी। बुधदेव की तीसरे भाव (पराक्रम और कम्युनिकेशन का क्षेत्र) पर दृष्टि आपके कॉन्फिडेंस और लेखन कला को निखारेगी।

कर्क- बुधदेव आपके आठवें भाव (बदलाव और रिसर्च का क्षेत्र) में गोचर करेंगे। यह समय किसी छिपे हुए विषय पर शोध करने या पैसों की नई प्लानिंग के लिए बेस्ट है। विरासत या जॉइंट एसेट्स से जुड़े मामले हल हो सकते हैं। बुधदेव की दूसरे भाव (बैंक बैलेंस और वाणी का क्षेत्र) पर दृष्टि होने से आपको अपने खर्चों पर लगाम लगानी होगी और सोच-समझकर बोलना होगा।

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉपट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बैट, टी-टी बैट, ट्रैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

अंत्योदय से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को वैश्विक आयाम देने वाला बजट - पूर्व सांसद अभिषेक सिंह

छत्तीसगढ़ को माइनिंग कॉरिडोर में शामिल करने और तेंदूपत्ता के टीसीएस को घटाकर 2 प्रतिशत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार : पूर्व सांसद अभिषेक सिंह

राजनांदगांव(नांदगांव टाइम्स)। आज केंद्रीय बजट 2026 पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सांसद राजनांदगांव अभिषेक सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने सबका साथ सबका विकास की भावना और विकसित भारत 2047 के विजन को केंद्र में रखकर बजट 2026 पेश किया है। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को उनके 9वें बजट के लिए शुभकामनाएं, जहां उन्होंने 12.2 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय के साथ ही वर्ष 2027 में वित्तीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखने का विजन प्रस्तुत किया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन और उनकी दूर दृष्टि का बजट है, जिसमें पिछले 10 सालों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 22 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है और अब सरकार सर्विस सेक्टर पर जोर देते हुए भारत के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ ही पढ़ाई से लेकर रोजगार और उद्यम स्थापित करने पर ध्यान दे रही है।

पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उड़ीसा, केरल और छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर की घोषणा की है। जिसके अंतर्गत खनिज तत्वों की खोज और खुदाई के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम किया जाएगा। वहीं तेंदूपत्ता पर ञ्चष्टस् को 5त्न से घटकर 2त्न किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट से यह स्पष्ट हो गया है कि अब भारत नई रफ्तार से नए लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, सोलर पैनल, लेदर के सामान, मोबाइल बैटरी, श्वङ्क की बैटरी, माइक्रोवेव ओवन जैसी चीजें अब सस्ती होंगी। इसके साथ ही कैंसर की 17 दवाएं, गंभीर बीमारियों से जुड़ी हुई 7 दवाएं और शुगर की दवाई भी सस्ती होगी। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि यह बजट भारत के भविष्य का बजट है जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए 40000 करोड रुपए अलॉट किए गए हैं। रूस्रूश्व विकास के लिए 10000 करोड रुपए का प्रावधान रखा गया है और 3 आयुर्वेदिक एम्स निर्माण के साथ ही उच्च संस्थानों के लिए जिलों में गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाने जैसी अनेक महत्वपूर्ण बिंदु इस बजट में शामिल किए गए हैं। अंत में उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आए इस बजट के लिए आदरणीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को बधाई दी और कहा कि मुझे विश्वास है कि यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को धरातल पर साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बजट क्रियान्वयन से देश विकसित भारत की ओर अग्रसर होगा- खूबचंद पारख

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख ने निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कहा कि बजट के क्रिन्यानवन से आर्थिक रूप से भारत अग्रणी देशों की श्रेणी में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि बजटको सर्वव्यापी सर्वजन के हितों को ध्यान में रखकर दूरगामी सोच के साथ बनाया गया है, उन्होंने बजट की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्वव्यापी एवं सर्वजन हितों को ध्यान में रखकर बने बजट मेंसभी वर्गों एवं सभी क्षेत्रों कासमान रूप से ध्यान रखा गया है । उन्होंने कहा कि मोदी जी के विकसित भारत 2047 तक भारत को विश्व का सिरमौर बनाने की दिशा मे बजट मील का पत्थर साबित होगा ।आर्थिक रूप से भारत को सक्षम बनाने के लिए प्रत्येक सेक्टर में विशेष रूप से ध्यान रखा गया है उन्होंने कहा किमेडिकल सेंटर के क्षेत्र में बायो फॉर्म के लिए 10000 करोड़ का बजट दिया गया है जिससे ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से मेडिकल क्षेत्र में अनेकोंनेक प्रयास किए जाएंगे। देश में 7 हाई स्पीड ट्रेन की स्वकृति से यात्री सेवा के साथ साथ परिवहन के साधन भी सुगम होगें ।मेगा टेक्सटाइल्स पार्क बनाए जाएंगे। गलोबल बायो प्रोडक्ट पर तेजी सेकार्य किया जा रहा है ।पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्र का पुनरुद्धार किया जाएगा ।बंद पड़े उद्योगों को फिर से खोलने की तैयारी की जाएगी ।सर्विस सेक्टर में भी निवेश के हेतु पैनल का गठन किया गया है ।पी आर ओ एस में निवेश की सीमा 5त्न से 10त्न की गई है ।छोटे शहर में तीर्थ स्थल का निर्माण किया जाएगा । श्री खूबचंद पारख ने कहा की पांच रीजनल मेडिकल हब बनाने का प्रस्ताव रखा गया है ।सरकार ने बजट में शिक्षा रोजगार पर फोकस किया है । महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाते हुए प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल का प्रावधान किया गया है । लखपति दीदी मॉडल के तहत महिला स्वच्छता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए शी मार्ट बनाए जाएंगे ।जिसमे महिलाओं द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प कपड़े और स्थानीय उत्पादन सीधे बेचे जाएंगे । श्री पारख ने कहा कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में देश की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर समावेशी बजट बनाया गया है ।इनकम टैक्स के स्लैब में कोई राहत नहीं दी गई है परंतु रिटर्न फाइलिंग करने के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय दिया गया है जिसके कारण व्यापारियों को रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने में आसानी होगी । उन्होंने कहा कि बजट में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5त्न से नीचे आया है जिसके कारण 2026 - 27 में घाटे में हल्की कमी आएगी ।

हमारी टेक्नॉलॉजी स्वदेशी और वर्ल्ड क्लास होगी- संतोष पाण्डेय

राजनादगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि यह बजट कर्ज को नियंत्रित रखते हुए विकास के लिए आर्थिक संसाधन सुरक्षित रखता है। भारत का विकास अब अभूतपूर्व गति और अनुशासित खर्चे से हो रहा है। स्केल-अप, इक्विपमेंट, मटेरियल्स, फुल-स्टैक आईपी, स्किल सेंटर्स, नेक्स्ट-जेन मैन्युफैक्चरिंग और हाई-वैल्यू इंजीनियरिंग का करियर सुरक्षित रहेगा। किसी भी तकनीकी क्षेत्र में भारत, दुनिया में किसी देश से पीछे नहीं रहेगा। हमारी टेक्नॉलॉजी स्वदेशी और वर्ल्ड क्लास होगी। छत्तीसगढ़ में अमृत स्टेशन योजना के तहत रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव सहित राज्य के 32 स्टेशनों के कायाकल्प का कार्य अगले वित्तीय वर्ष में और गति पकड़ेगा। इसी प्रकार किसानों के लिए भारत-विस्तार नामक बहुभाषी एआई टूल लॉन्च किया गया है, जो छत्तीसगढ़ी और अन्य स्थानीय भाषाओं में कृषि संबंधी सलाह देगा। राज्य की ग्राम पंचायतों में यूपीआई और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। आधारभूत अधोसंरचना विकास पर सरकार के छ : गुना वृद्धि किये जाने का लाभ छत्तीसगढ़ राज्य को भी मिलेगा। सांसद पाण्डेय ने आगे कहा कि ये विकसित भारत का बजट है, बजट से नए रास्ते खुलेंगे, यह जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है।

ट्रंप के टैरिफको करारा जवाब देने वाला विकसित भारत का बजट-- राजेश गुप्ता अग्रहरि

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। देश की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा अपने कार्यकाल की 9 वां बजट पेश करते हुए जो ट्रंप की टेरिफ का करारा जवाब दिया है उसकी सराहना करते हुए भाजपा शिक्षा एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी श्री राजेश गुप्ता अग्रहरि ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि वित्त मंत्री निर्मला जी प्रधानमंत्री मोदी जी की सोच के अनुरूप इस बजट को विकसित भारत का लक्ष्य वाला बजट बताया है। श्री अग्रहरि ने कहा कि वित्त मंत्री जी के इस 53 लाख करोड़ विकास के लिए खर्च करने वाले बजट में किसान, मजदूर दिव्यांग, महिलाएं विद्यार्थियों सहित मध्यम वर्गीय लोगो का विशेष ध्यान रखा है, क्रेडिट लिंक आजीविका सहारा योजना में जहां महिलाओं को सहायता दी है वहीं युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने युवा योजना बनाई है, दिव्यांगों के लिए दिव्यांग सहारा योजना व किसानों की आमदनी बढ़ाने नए रोजगार पैदा करने किसानों के लिए नए स्कीम चिलगोजा, बादाम, खुमानी के लिए मदद,व मत्स्य किसानों के लिए 500 करोड़ पशुपालन के लिए लोन गरीबों के लिए गुणवत्ता पूर्ण रोजगार वाला एतिहासिक कलचरल,खेलों इंडिया मिशन, स्पोर्ट्स साइंस टेक्नोलॉजी आदि प्रमुख हैं, इसके अलावा 1अप्रैल से नया आयकर टेक्स, विदेश यात्रा सस्ती,टेक्स भरना सरल ?, राज्यों के लिए 1, 4 लाख करोड़ का प्रावधान कर वित्त मंत्री जी ने देश को मजबूत अर्थव्यवस्था वाले तथा तेज गति से विकास करने वाले देश की लाइन में ला खड़ा कर दिया है।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की दिशा में ठोस और संतुलित कदम : महापौर मधुसूदन यादव

राजनांदगांव। नई दिल्ली में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के समग्र विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक मजबूती की दिशा में एक दूरदर्शी तथा जनकल्याणकारी बजट बताते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने केंद्र सरकार की सराहना की है। श्री यादव ने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग सभी को साथ लेकर चलने वाला बजट है, जो च्विकसित भारतज्ज् के लक्ष्य को साकार करने की मजबूत नींव रखता है। बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विशेष प्राथमिकता दी गई है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि अवसंरचना को सुदृढ़ करने, सिंचाई, भंडारण एवं वैल्यू-एडिशन को बढ़ावा देने हेतु किए गए प्रावधान सराहनीय हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर बजट में किए गए प्रावधानों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री यादव ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, पोषण, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास से जुड़े उपाय महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। युवाओं और रोजगार के विषय में उन्होंने कहा कि बजट में कौशल विकास, स्टार्टअप्स, तकनीकी शिक्षा, डिजिटल इकोनॉमी और नए रोजगार सृजन पर जो फोकस किया गया है, उससे देश के युवाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे। यह बजट युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप है।

महापौर ने दावा किया है कि बुनियादी ढांचे जैसे सड़क, रेल, आवास, ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी में निरंतर निवेश से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और राज्यों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। महापौर ने बजट की विशेषताओ को रेखांकित करते हुए कहा है कि सुरक्षा बजट में वृद्धि की गई है, जो स्वदेशी तकनीक और शोध पर खर्च होंगे। उसी प्रकार कैंसर और मधुमेह जैसी जानलेवा बिमारियों की 17 दवाईयों का सस्ता किया जाना, आयुर्वेदिक एम्स की संख्या दो से बढ़ाकर 5 करना स्वास्थ्य सुविधा में वृद्धि का परिचायक है। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेद चिकित्सा में भारत अग्रणी देश है, जिसका सीधा लाभ स्वदेशी उत्पादकों को होने के साथ ही रोजगार में वृद्धि होना तयशुदा है। इसके अतिरिक्त रेयर अर्थ के परिष्करण और परिवहन के लिये केरल तमिलनाडू उड़ीसा कॉरिडोर को समर्थन देने से से, सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लॉच होने से विदेशो पर निर्भरता खत्म होने के साथ ही स्वदेशी छात्रों और प्रतिभाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। प्रत्येक जिले में महिला हॉस्टल की स्थापना एक दूरगामी क्रांतिकारी निर्णय है। उसी प्रकार पर्यटन के क्षेत्र में बजट वद्धि का उद्देश्य विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि करना है, इसके साथ ही खेलो इंडिया में बजट वृद्धि से भविष्य में ओलंपिक खेलों के आयोजन से भारत को विश्व पर्यटन के मानचित्र पर उकेरने का सराहनीय कदम है। 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की स्वीकृति ना सिर्फ आवागमन वरन अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के निवेश में वृद्धि करेगी। इसी प्रकार किसानों के विकास और प्रगति के लिये के.सी.सी. ऋण की सीमा 3 से 5 लाख करना, उसी प्रकार सूखे मेवे के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये नवीन योजनाओं से अन्नदाताओं के ना सिर्फ जीवन स्तर वरन उनकी आय में भी वद्धि होगी। पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने कहा कि यह बजट वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास को गति देने वाला है, जो आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट देश के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने वाला है।

किसानों की आय बढ़ाने वाला बजट, ग्रामीण विकास को देगा नई दिशा - सचिन सिंह बघेल

कहा - कृषि आय बढ़ाने, रोजगार सृजन और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने वाला दूरदर्शी बजट

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए इस बजट में कृषि, रोजगार और तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दी गई है जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। श्री बघेल ने आगे कहा कि केंद्रीय बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक कृषि तकनीक के उपयोग और फसल विविधीकरण पर जोर दिया गया है। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जो योजनाएं घोषित की गई हैं, उससे गांवों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ग्रामीण आधारभूत संरचना, सड़क, बिजली, भंडारण और सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने के लिए किए गए प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगे। बजट में युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप, स्वरोजगार और छोटे-मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बजट में डिजिटल बैंकिंग, आधुनिक तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रावधान सहकारिता और बैंकिंग क्षेत्र के लिए भी लाभकारी सिद्ध होंगे। इससे किसानों और आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाएं और अधिक आसान व सुलभ होंगी। अंत में उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। यह बजट न केवल वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है बल्कि भविष्य की मजबूत और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नींव भी रखता है।

प्रगतिशील एवं परिणामोन्मुखी बजट- दिनेश गांधी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी ने केंद्रीय बजट को सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि इस बजट में महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान एवं सटीक संख्यात्मक आवंटन शामिल किए गए हैं। जिसका सुखद परिणाम आने वाले समय में देखने मिलेगा। यह बजट महिला को सबल बनाने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना से लड़कियों की शिक्षा में सुधार होगा। हथकरघा तथा हस्तशिल्प से जुड़ी महिला उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प योजना से गांवों को नवजीवन मिलेगा। श्री गांधी के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान युवाओं के लिए किया गया है जिससे युवाओं में एक नव ऊर्जा का संचार होगा।श्री गांधी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत की दिशा में रणनीतिक दृष्टि और व्यापक सामाजिक लाभ का संदेश देता है, जो महिलाओं, किसानों और युवाओं को मजबूत आर्थिक एवं सामाजिक अवसर प्रदान करेगा।

सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण की भावना को साकार करता बजट ङ्क किरण रविन्द्र वैष्णव

छुरिया (नांदगांव टाइम्स)। सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्प को चरितार्थ करता यह बजट गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों तथा जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के लिए पूर्णतः समर्पित है। यह बजट समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की किरण पहुँचाने वाला है। जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि इस बजट में महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार, किसान हित, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनजातीय कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है और प्रदेश व देश के समावेशी विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार की जनकल्याणकारी सोच और दूरदर्शी नीति को दर्शाता है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मोः 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com